अनुबन्ध – I

(पैरा 1.7)

2013-14 को समाप्त विगत पांच वर्षों के बजटीय अनुमान, संशोधित अनुमान और वास्तविक व्यय

(₹ करोड़ में)

व्यय शीर्ष	2009-10			2010-11			2011-12			2012-13			2013-14		
	बीई	आरई	वास्तविक	बीई	आरई	वास्तविक	बीई	आरई	वास्तविक	बीई	आरई	वास्तविक	बीई	आरई	वास्तविक
सर्वेक्षण	489.28	462.36	359.00	303.72	284.10	286.00	314.33	308.55	341.00	335.11	548.97	477.00	483.89	487.59	511.00
अन्वेषण ड्रिलिंग	444.98	745.55	456.00	945.62	602.14	521.00	1068.98	706.68	652.00	1337.45	785.38	737.00	1097.67	642.26	440.00
विकास ड्रिलिंग	497.07	490.36	381.00	509.03	352.59	397.00	502.82	391.66	506.00	568.66	412.38	381.00	591.91	652.87	846.00
पूंजी उपस्कार और सुविधाएं	414.00	400.00	264.00	425.00	374.50	266.00	484.06	460.00	383.00	538.50	774.96	806.00	619.67	526.00	620.00
विदेशी परियोजनाएं	430.97	277.07	89.00	251.61	311.08	154.00	144.46	108.50	15.00	588.57	499.66	136.00	291.82	192.90	196.00
संयुक्त उद्यम/इक्विटी निवेश	0.00	0.00	8.00	2030.00	2288.58	119.00	665.68	287.29	153.00	10.00	48.17	353.00	496.02	7937.31	6738.00
कुल	2276.30	2375.34	1557.00	4464.98	4212.99	1743.00	3180.33	2262.68	2050.00	3378.29	3069.52	2890.00	3580.98	10438.93	9351.00

अनुबन्ध – II

(पैरा 4.2.1)

इन हाऊस सर्वेक्षण कार्य करने के लिए ओआईएल द्वारा समयबद्ध अधिग्रहण, प्रसंस्क7रण एव व्याख्या

क्र.सं.	ब्लॉक का नाम	भूभौतिकी विभाग							भूभौतिकी और भूवैज्ञानिक रिजर्वायर विभाग के समयान्तर	भूवैज्ञानिक और रिजर्वायर विभाग			नवम्बर 2014 तक एपीआर के लिए लिये गये कुल दिन
		अधिग्रहण के लिए लिया गया समय			प्राप्ति और अधिग्रहण के बीच समय अंतराल	प्रक्रिया में लिया गया समय				व्याख्या हेतु लिया गया समय			
		से	तक	दिन		से	तक	दिन		से	तक	कुल (दिनों में)	
1	राजगढ़ प्रोदेशिक लाईन (2 डी)	01/04/2009	30/05/2009	60		प्रक्रिया धीन				डाटा प्रोसेसिंग प्रक्रिया धीन है।			2069
2	देहाल-मकूम (2 डी -3 सी))	21/11/2009	03/02/2010	76	-	प्रसंस्करण और विवरण आईओएन-जीएक्सटी (जनवरी, 2013) द्वारा पूरा किया गया था।		…..	939	01.09.2012	31.01.2013	153	1168
3	जगून-डिगबोई (2 डी)	17/12/2009	10/06/2010	176	105 90	08/04/2011 10/09/2010	19/05/2011 23/12/2010	147		एनईएफ परियोजना के क्षेत्राधिकार के अधीन			1804
4	डिगबोई-पनग्री (2 डी)	08/12/2010	16/03/2011	99	261	02/12/2011	26/04/2011	146		डाटा विवरण आरंभ किया जाना है			1815
5	सोनारी (2 डी प्रायोगिक)	14/03/2011	28/03/2011	15	-	अप्रैल, 2011 में विश्लेषण पूरा किया गया।		32		प्राप्त प्रसंस्कृत डाटा केवल डाटा है विवरण हेतु कोई डाटा उपलब्ध नहीं			1309
6	सैंटी-जयपुर (2 डी)	03/05/2011	20/05/2011	237	-	01/07/2012	31/03/2014	639		-	-	डाटा का विवरण किा जाएगा जब अध्ययन क्षेत्र चुना जाएगा।	1116
7	सैंटी-जयपुर-नामरूप (2 डी)	19/12/2011	27/05/2012		-					-	-		
8	नामरूप-बोरहाट-सेपखटी (2 डी)	10/12/2012	10/01/2013		-					-	-		
9	नामरूप-बोरहाट-सेपखटी (2 डी)	26/04/2013	21/05/2013		-					-	-		

10	टिओक (2 डी)	26/04/2013	17/05/2014	387		लाईनों की चार सं. का प्रसंस्करण पूरा किया है शेष लाईनें प्रक्रियाअधीन हैं।		प्रक्रिया धीन		अभी तक डाटा प्रसंस्करण पूरा नहीं हुआ है। प्रसंस्कृत डाटा को पूरा होने की प्राप्ति के बाद व्याख्या आरंभ की जानी है।			581
11	हल्दीबाड़ी-दिखारीपत्थर (3 डी)	01/04/2008	15/03/2009	349	25	10/04/2009	25/03/2010	351		01.02.2007	17.08.2007	198	923
12	मोरन (पायलट 2 डी -3 सी)	16/03/2009	29/03/2009	14	-	प्रसंस्करण और विवरण आईओएन-जीएक्सटी (जनवरी, 2013) द्वारा पूरा किया गया था।		-	1250	01.09.2012	31.01.2013	153	1417
13	हल्दीबाड़ी-दिखारीपत्थर (3 डी)	01/04/2009	24/05/2009	54	0	10/04/2009	25/03/2010	350	730	01.04.2012	30.11.2012	244	1378
14	नमसाई (3 डी)	14/12/2009	30/03/2010	107	464	08/07/2011	24/11/2011	140		एनईएफ परियोजना के क्षेत्राधिकार के अधीन			1700
15	ड़ेहाल (पायलट 3 डी -3 सी)	05/03/2010	30/05/2010	87		प्रसंस्करण और विवरण आईओएन-जीएक्सटी (जनवरी, 2013) द्वारा पूरा किया गया था।			822	01.09.2012	31.01.2013	153	1062
16	सैंटी-टराजन (3 डी)	07/05/2010	07/06/2010	32		नहरकटिया 3डी ब्लॉक के साथ प्रसंस्कृत अर्थात 28.03.2013 (पूर्णता तिथि)		1023	135	10.08.2013	26.11.2013	109	1299
17	सोनारी (3 डी)	15/12/2010	13/03/2011	89	229	28/10/2011	08/03/2012	132	974	07.11.2014	-	Study in progress	1447
18	डिरोई-डिपलिंग (3 डी)	25/04/2011	25/05/2011	31	310	30/03/2012	24/05/2012	55	897	07.11.2014	-	Study in progress	1316
19	नहारकटिया (3 डी)	26/12/2011	27/05/2012	154	0	31/05/2012	28/03/2013	302	135	10.08.2013	26.11.2013	109	699
20	टिओक (3 डी)	27/12/2012	08/04/2013	103	0	01/04/2013	31/09/2013	183	0	01.10.2013	04.04.2014	186	472
21	साडिया (3 डी)	03/01/2014	----------			प्राप्ति प्रक्रियाधीन है।				अभी तक डाटा प्रसंस्करण पूरा नहीं हुआ है। प्रसंस्कृत डाटा को पूरा होने की प्राप्ति के बाद व्याख्या आरंभ की जानी है।			330
22	सोलागुरी-बोरबन (संविदा 3 डी)	---------	03/04/2009	….	-	प्राप्ति और प्रसंस्करण संविदा 08/04/2010 को पूरी की गई।		370	1362	01.01.2014	30.09.2014	273	2005
23	डिगबोई-मार्गेरिटा (संविदा 3 डी))	14/12/2009	----------	…	-	प्राप्ति और प्रसंस्करण संविदा 11/02/2011 को पूरी की गई।		425	292	01.12.2012	28.08.2013	271	988

अनुबंध – III

(पैरा 5.2)

अपनी रिगों की खरीद हेतु ठेके

क्र. सं.	निविदा/संविदा सं.	संक्षिप्त लेखापरीक्षा निष्कर्ष	लेखापरीक्षा अवलोकन	ओआईएलज़ प्रतिक्रिया (अप्रैल 2015)	टिप्पणी, यदि कोई है तो
1	एसडीजी9009पी11/07, 7950293 दिनांक 23.02.2007, 7950293 (संधोधन सं. 2 दिनांक 23.08.2007)	• निविदा में प्रसंस्करण में विलम्ब • ओआईएल को प्रतियोगात्मक दरों के साथ अतिरिक्त आपूर्ति को सुनिश्चित किये जाने से वंचित करते हुए 2006-07 से 2013-14 की अवधि के दौरान रिगों की खरीद हेतु सभी तीन पीओज़ आपूर्तिकर्ता (अर्थात सीपीटीडीसी) को दिये गये। • बीआरसी मानदंड से विचलन	ड्रिलिंग/वर्कओवर की खरीद में अतिरिक्त विलम्ब के कारण चार्टर्ड किराये के रिग पर अत्यधिक निर्भरता बढ़ गई। प्रबंधन ने भी खरीद आदेश दिये जाने के बाद रिग की विशिष्टिताओं में परिवर्तन नहीं किया जिससे लेखापरीक्षा के अनुसार बोली खरीद में पारदर्शिता की कमी हुई तथा आपूर्तिकर्ता को अवांछित लाभ दिये गये।	• पहले से ही निविदा को देने के लिए कार्यक्रम की कोई समय-सारणी नहीं थी जिसे अब शामिल किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त ओआईएल सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के लिए निविदा को अंतिम रूप दिये जाने के लिए समय सीमा तैयार नहीं की है। • ओआईएल से कोई प्रतिक्रिया नहीं। • 2008 में एक 750 एचपी रिग की आपूर्ति के लिए लेखापरीक्षा अवलोकन के लिए ओआईएल ने बीआरसी	• ओआईएल ने लेखापरीक्षा तर्क को स्वीकार किया। • ओआईएल से कोई प्रतिक्रिया नहीं। • ओआईएल का उत्तर तर्कसंगत नहीं है। अन्य बोलीदाताओं को समान अक्सर प्रदान नहीं किये गये। यह भी सीवीसी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है। (जुलाई 2007)।

				मानदंड को न मानते हुए रिग की बनावट/विशिष्टिता में संशोधन किया। ओआईएल की टिप्पणी है कि बीआरसी के साथ कोई समझौता न करते हुए तकनीकी विशिष्टिताओं में कुछ सीमा तक सुधार किया गया। • निवृत रिगों की प्रतिस्थापना के लिए रिगों की खरीद की गई। यद्यपि, दोनों घरेलू और किराये की रिगों के परिनियोजन को ड्रिलिंग निष्पादन को संतुलित करने के लिए इष्टतम किया गया।	

अनुबंध – IV
(पैरा 5.2)

चार्टर्ड भाड़े के लिए संविदा

क्र. सं.	निविदा/संविदा संख्या	संक्षिप्त लेखापरीक्षा निष्कर्ष	लेखापरीक्षा आपत्तियाँ	ओआईएल की प्रतिक्रिया (अप्रैल 2015)	टिप्पणी, यदि कोई हो
1	OIL/CCO/DRLG/GLOBAL/141/2006, CONT/GL/DRLG/259/10, OIL/CCO/DRLG/GLOBAL/165/2007, OIL/CCO/DRLG/GLOBAL/204/2007, CONT/GL/DRLG/307/13, OIL/CCO/DRLG/GLOBAL/166/2007, OIL/CDG4167/DRLG/12 and CONT/GL/DRLG/288/12	• कोई मानक नहीं निर्धारित किया गया और अनुमत रिग संघटन समय के प्रति संविदा नियमावली में नहीं शामिल किया गया; • रिग संघटन हेतु अधिक समय लिया गया। • ओआईएल ने चार्टर्ड हायर रिग संविदाओं में अलग-अलग एलडी दर शामिल किया क्योंकि इसने तीन मामलों में 15 प्रतिशत और चार मामलों में 7.5 प्रतिशत लगाया।	मानक के अभाव में ओआईएल संविदा को अंतिम रूप देने हेतु समय अनुसूची की निगरानी रखने में विफल रही।	संविदा उल्लिखित निर्धारित संघटन अवधि प्रस्तावित रिग के स्थान से संबंधित सभी बोलीदाताओं पर लागू है। हालांकि, बोलीदाता के प्रस्तावित उपलब्ध रिग के स्थान से संबंधित संघटन अवधि निर्धारण की संभावना की भविष्य की संविदाओं में तलाश की जाएगी। ओआईएल ने आगे बताया कि तीन संविदाओं में संविदायें 2009 से पूर्व की गई थी (अर्थात् संविदा नियमावली आने से पूर्व) और बोर्ड के सुझाव पर उच्च दर (7.5 प्रतिशत की बजाए अधिकतम 15 प्रतिशत) को संविदा में शामिल किया गया था। हालांकि चार संविदाओं में चूँकि संविदायें 7.5 प्रतिशत एलडी की अधिकतम सीमा की संविदा नियमावली आने के	लेखापरीक्षा ने चार्टर्ड भाड़े के संबंध में ओआईएल का संविदा प्रबंधन देखा और अपने आप कुछ प्रणालीगत कमियाँ पाई गई। निर्णीत हर्जाने की दर 15 प्रतिशत से घटाकर 7.5 करने के संबंध में ओआईएल का तर्क स्वीकार्य नहीं है क्योंकि कटौती निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित नहीं है और कंपनी के हित के विपरीत भी है।

				पश्चात संविदाओं में इसका पालन किया गया।	
2	OIL/CDG4167/DRLG/12 and CONT/GL/DRLG/307/13	दो प्रतिस्थापन संविदाओं में रिग संघटन हेतु परिहार्य समय अनुमत किया गया।	रिग संघटन हेतु अधिक समय दिया गया।	उन्ही दो पार्टियों को दी गई दो प्रतिस्थापन संविदाओ के संबंध में ओआईएल ने बताया कि उद्यपि मोबिलाइजेशन समय 180 दिनों से 210 दिनों तक अनुमत किया गया था, ठेकेदार ने पिछले स्थान से रिग खाली होने के 41 दिनों के पश्चात मोबिलाइजेशन पूरा कर लिया था। इसी प्रकार अन्य संविदाओं में वास्तव में लिया गया समय क्रमश: 39 से 63 दिन था।	समान पार्टी को दिए गए दो प्रतिस्थापन संविदा का प्रबंधन का उत्तर स्वत: साक्ष्य है कि संविदाओं में अधिक समय अनुमत किया गया क्योंकि वास्तव में लिया गया समय अनुमत समय से बहुत कम था। अत: पीएससी में निर्धारित समयसीमा के भीतर अंवेषण गतिविधियों को समय पर पूरा करने हेतु अनावश्यक मोबिलाइजेशन समय अनुमति से बचने के लिए अनुसूची संघटन अवधि में कमी की संभावना थी।
3	OIL/CCO/DRLG/GLOBAL/141/2006, OIL/CCO/DRLG/GLOBAL/165/2007, OIL/CCO/DRLG/GLOBAL/204/2007 and OIL/CCO/DRLG/GLOBAL/166/2007	ओआईएल मौजूदा संविदा की समाप्ति से पूर्व ड्रिलिंग रिग के चार्टर्ड भाड़े हेतु प्रतिस्थापन संविदा को अंतिम रूप देने में विफल रही जिसके परिणाम-स्वरूप ओआईएल ने संविदा अवधि को दो वर्ष बढ़ा दिया जबकि संविदा के संबंधित खण्ड में केवल एक वर्ष का विस्तार अनुमत था।	चूँकि रिग्स ओआईएल के प्रचालन क्षेत्र के बहुत नजदीक कार्य कर रहे थे और प्रतिस्थापन संविदा के रूप में उसी पार्टी को संविदा दी गई थी इसलिए मोबिलाइजेशन हेतु	आपत्ति स्वीकार कर ली गई।	

			अनुमत समय को रोका जा सकता था।		
4	CONT/GL/DRLG /259/10, OIL/CDG4167/D RLG/12 and CONT/GL/DRLG /288/12	ओआईएल ने चार्टर्ड भाड़े पर लेने हेतु रिग संविदा के प्रतिस्थापन को अंतिम रूप देने हेतु क्रय माँग जारी होने की तिथि से एलएओ जारी करने में अधिक समय (दो वर्षों से अधिक) लिया।	ओआईएल ने संविदात्मक शर्तों और निर्बंधनों के प्रावधानों के विपरीत पिछले संविदाओं में अनावश्यक विस्तार दिया।	एलएओ जारी होने के पश्चात् पार्टी विस्तार पर विस्तार माँग रही थी।	ओआईएल का उत्तर लेखापरीक्षा आपत्ति से संबंधित नहीं है।
5	OIL/CCO/DRLG/ GLOBAL/ 204/2008	रिग उपयोग के अवसर की हानि जो निर्णय न लेने के कारण 130 दिनों तक बेकार पड़ा रहा।	रिग्स का निष्क्रिय पड़े रहना	कोई प्रतिक्रिया नहीं	
6	OIL/CCO/DRLG/ GLOBAL/166/20 07 and OIL/CCO/DRLG/ GLOBAL/165/20 07	संविदा के नवीनीकरण में देरी के कारण ओआईएल को कुल 113 दिनों की हानि हुई जिसके परिणामस्वरूप 24 से 61 दिनों तक रिग निष्क्रिय पड़े रहे।	संविदा के नवीनीकरण में देरी	मान ली गई	
7	OIL/CCO/DRLG/ GLOBAL/ 204/2008	स्थान आदि में परिवर्तन में ओआईएल द्वारा देरी आदि कारण रिग के मोबिलाइजेशन में 43 दिनों की देरी के लिए ठेकेदार से पूर्व में वसूली गए ₹ 2.62 करोड़ का प्रतिदाय करना पड़ा।	स्थान उपलब्ध कराने में देरी	मान ली गई	

8	OIL/CCO/DRLG/GLOBAL/166/2007 and OIL/CCO/DRLG/GLOBAL/141/2006	चूँकि दो संविदाओं में ओआईएल केवल 210 दिनों तक एलडी वसूल कर सकी जहां देरी 309 से 368 दिनों के बीच थी, इसलिए ओआईएल के हितों की सुरक्षा नहीं की जा सकी।	संविदा में त्रुटिपूर्ण खण्ड	मान ली गई	
9	OIL/CCO/DRLG/GLOBAL/141/2006 and OIL/CCO/DRLG/GLOBAL/144/2006	• जेबी एनर्जी प्राइवेट लिमि. को दिए गए एक 1400 एचपी (न्यूनतम) के किराए पर लेने हेतु ठेकेदार द्वारा पहले वाली बनावट में परिवर्तन कर दिया गया; • शिव-वाणी ऑयल एण्ड गैस एक्सप्लोरेशन सर्विसेज लि. को दिए गए वर्कओवर दो रिग को भाड़े पर लेने हेतु एक रिग की विशेषता में 600 एचपी से बदलकर 750 एचपी तथा मॉडल संख्या बदलने की अनुमति दी गई थी।	ओआईएल ने संविदा निर्धारण के पश्चात ठेकेदार रिग की विशेषताओं में परिवर्तन करने की अनुमति दी।	रिग मॉडल/विशेषता में परिवर्तन स्वीकार करने का निर्णय ओआईएल द्वारा लिया गया था क्योंकि यह तकनीकी रूप से स्वीकार्य था। इसके अलावा, एक मामले में ड्रिलिंग कार्यक्रम में वृद्धि को पूरा करने हेतु रिग की तत्कालिकता के कारण रिग आपूर्तिकर्ता बदल दिया गया था और दूसरे मामले में प्रचालन कारणों से रिग मॉडल को अधिक क्षमता में बदल दिया गया।	ओआईएल का उत्तर तर्कसंगत नहीं है क्योंकि यह निविदाकरण प्रक्रिया में पारदर्शिता पर सीवीसी के दिशानिर्देशों के विरूद्ध है।

10	OIL/CCO/DRLG/GLOBAL/166/2007	ओआईएल ने मै. शिव वानी तेल तथा गैस एक्प्लोरेशन सर्विसिज लिमिटेड, नई दिल्ली को उस पिछली ठेके दर पर देयो का भुगतान किया जो नई ठेका दर से अधिक था, हालांकि ठेकेदार सहमत हो गया तथा मौजूदा ठेका दरों में से कम दरो को स्वीकृत करने की पुष्टि की (जनवरी 2012)।	ठेकागत शर्तो के उल्लंघन के परिणामस्वरूप ठेकेदार को ₹ 5.18 करोड़ का अधिक भुगतान करना पड़ा।	स्वीकृत हुआ तथा वसूली कार्रवाई प्रारम्भ की गई ।	
11	OIL/CDG2531/DRLG/12 and CDG9056P13	ओआईएल ने सितम्बर 2013 में एक 1400 एचपी ड्रिलिंग रिंग को किराए पर लेने के लिए मूल्य बोली खोली। ओआईएल ने अन्य ठेके में बोलीदाता के कार्य न करने के कारण एल1 बोलीदाता (पीएलयू) को एलओए जारी किए बिना मूल्य बोली खोलने से एक वर्ष बीत जाने के पश्चात संविदा को रद्द करने का निर्णय लिया (सितम्बर 2014)। निर्णय लेने (संविदा को रद्द करने का) में एक वर्ष के विलम्ब के कारण ओआईएल रिगो की आवश्यकता को पूरा नहीं कर सका जो लक्ष्य प्राप्त करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण था।	निर्णय लेने में विलम्ब	चूककर्ता पार्टी जो पिछले ठेके के प्रति रिग तैयार नहीं कर सकी, के साथ उसी सर्विस के लिए अन्य ठेका करना ओआईएल को उसी स्थिति में पहुंचा देगा। तदनुसार, द्वितीय संविदा को रद्द करने का निर्णय लिया गया।	तथ्य यह है कि ओआईएल ने कीमती समय बर्बाद किया तथा दण्ड देने में असक्षम रहा क्योंकि एलओए जारी नहीं किया गया था।

		ओआईएल ने एलओए जारी न करने के कारण रिंग तैयार न करने के लिए ठेकेदार पर दण्ड संबंधी उपबंध लागू करने का अवसर भी गवां दिया।			

अनुबंध – V

(पैरा 6.1.2)

2009-10 से 2013-14 तक नामांकित क्षेत्र के तहत पीईएल ब्लॉको का परित्याग

क्रम सं.	पीईएल का नाम	मूल मंजूरी की तिथि	मूल क्षेत्र (वर्ग किमी)	परित्यक्त/एमएल में रूपान्तरित क्षेत्र (वर्ग किमी.)		क्षेत्र परित्याग/ एमएल में रूपान्तरण की तिथि	परित्याग करने तक किया गया कार्य	वर्तमान स्थिति	किया गया खर्च (₹ करोड़ में)
1.	मार्घरिटा	10.11.1987	750	जेवी में स्थानांतरित	382	1993-94	जगुन-1 तथा टोकलॉग-1 कुओं को वर्ष 1998 में ड्रिल एवं पूर्ण किया गया	परित्यक्त	14.46
				प्रथम पुन: मंजूरी के दौरान परित्यक्त क्षेत्र	92	01.04.02			
				विस्तार के दौरान परित्यक्त क्षेत्र	92	01.04.06			
				अंतिम परित्यक्तता	184	31.03.09			
2.	दमदम एक्स. (एनएफ-एफ), ब्लॉक बी+सी	01.08.1985	395	एमएल में रूपान्तरित क्षेत्र	218	2001-02	उमतरा-1 कुएं को 2009 में ड्रिल तथा पूरा किया गया	परित्यक्त	36.57
				प्रथम पुन: मंजूरी के दौरान परित्यक्त क्षेत्र	44	01.08.03			
				सपकैंट एमएल में रूपान्तरित क्षेत्र	105	2010-11			
				अंतिम परित्यक्तता	28	31.07.2009			
3.	दमदम एक्स. (एफ), ब्लॉक सी	10.11.1987	38	प्रथम पुन: मंजूरी के दौरान परित्यक्त क्षेत्र	9.5	नवम्बर 1987 01.04.02	उत्तरी दौंर्मरा -1 को 2009 में ड्रिल किया गया	परित्यक्त	
				द्वितीय पुन: मंजूरी के दौरान परित्यक्त क्षेत्र	9.5	01.04.06			
				अंतिम परित्यक्तता	19	05.11.2010			
4.	दीरक	18.11.1995	170	प्रथम पुन: मंजूरी के दौरान परित्यक्त क्षेत्र	42.5	18.11.01	फिलोबरी-1 कुएं को 2011 में ड्रिल तथा पूर्ण किया गया	परित्यक्त	27.97

				द्वितीय पुन: मंजूरी के दौरान परित्यक्त क्षेत्र	42.5	18.11.05			
				अंतिम परित्यक्तता	85	05.04.2011			
5.	मुर्कोन्गस्लेक (एनएफ)	25.12.1986	1307	प्रथम पुन: मंजूरी के दौरान परित्यक्त क्षेत्र	327	01.04.02	मुर्केोगस्लेक-1 कुएं को 2012 में ड्रिल तथा पूर्ण किया गया	परित्यक्त	16.29
				द्वितीय पुन: मंजूरी के दौरान परित्यक्त क्षेत्र	327	01.04.06			
				तृतीय पुन: मंजूरी के दौरान परित्यक्त क्षेत्र	204	01.04.07			
				अंतिम परित्यक्तता	449	05.04.2012			
6.	मुर्कोन्गस्लेक (एफ)	15.11.1987	191	प्रथम पुन: मंजूरी के दौरान परित्यक्त क्षेत्र	48	01.04.02	मुर्केोगस्लेक-2 कुऐ को 2013 में ड्रिल तथा पूर्ण किया गया	परित्यक्त	112.16
				द्वितीय पुन: मंजूरी के दौरान परित्यक्त क्षेत्र	48	01.04.06			
				अंतिम परित्यक्तता	95	17.07.2013			
7.	बोरहट	01.04.1988	222	प्रथम पुन: मंजूरी के दौरान परित्यक्त क्षेत्र	55.5	01.04.02	• कुएं बलीमारा-2 को 2012 में पूरा किया गया एवं कुएं बारूआनगर-3 को 2013 में पूरा किया गया। • 81 वर्ग किमी क्षेत्र को पीएमएल में रूपान्तरित किया गया ।	परित्यक्त	86.62
				द्वितीय पुन: मंजूरी के दौरान परित्यक्त क्षेत्र	55.5	01.04.09			
				एमएल में रूपान्तरित क्षेत्र	81	13.08.2013			
				अंतिम परित्यक्तता	30	14.08.2013			
8.	दीबरूगढ़	नव. 1987	1230	एमएल में रूपान्तरण	186	21.01.1998	परित्यक्त क्षेत्र के भाग को एक समेकित अध्ययन के भाग के रूप में वर्णित किया गया।		163.87
				चाबुआ एमएल में रूपान्तरण	189	12.06.2002			
				पहली परित्यक्तता	214	2002-03			
				दूसरी परित्यक्तता	214	2005-06			
				विस्तार	427	14.02.2015 तक			

9.	टीनसुकिया	15.11.1987	1665	तीनसुकिया एमएल में रूपान्तरण	250	07.12.2001	परित्यक्त क्षेत्र के भाग को निकटवर्ती क्षेत्रो के साथ पुन: वर्णित किया गया।	विस्तार लागू	136.49
				पहली परित्यक्तता	257	2002-03			
				बाघजन एमएल में रूपान्तरण	75	14.05.2003			
				तीनसुकिया एक्स. पीएमएल में रूपान्तरण	185	17.05.2003			
				मेचाकी एमएल में रूपान्तरण	195	19.05.2003			
				दूसरी परित्यक्त	223	2005-06			
				मेचाकी एक्स. एमएल में रूपान्तरण	9	06.07.2013			
				विस्तारण	471	01.12.2014 तक			
10.	जयरामपुर पीईएल	28.10.1987	170	प्रथम पुन: मंजूरी के दौरान परित्यक्त क्षेत्र	146	जुलाई, 1999.	• 2डी भूकम्पीय डाटा के 9 जीएलकेएम का अधिग्रहण • एक (1) कुएं को ड्रिल किया गया	छोड़ दिया	4.40
				द्वितीय पुन: मंजूरी के दौरान परित्यक्त क्षेत्र	6	01.04.2002			
11.	जयरामपुर एक्स पीईएल	01.05.1990	185	प्रथम पुन: मंजूरी के दौरान परित्यक्त क्षेत्र	154	जुलाई, 1999.	• 03.03.2019 *तक मान्य ब्लॉक* • *2डी भूकम्पीय डाटा के 75 जीएलकेएम का एपीआई* • *एक अन्वेषणात्मक ड्रिलिंग स्थान (स्थान जेआरबी) रिलीज किया गया*	जेआरबी स्थान को ड्रिल करने के लिए कार्रवाई की गई	जयरामपुर पीईएल के साथ मिल गया
				द्वितीय पुन: मंजूरी के दौरान परित्यक्त क्षेत्र	7.75	01.04.2002			
12.	नामचिक पीईएल (खरसगं-शोनकिंग एवं आसन्न क्षेत्र)	30.04.1999	260	पहले पुन: अनुदान के दौरान क्षेत्र छोड़ दिया गया	65	13.03.2002	• ब्लाक 24.09.2020 तक वैध • *69* जीएलकेएम 2 डी डाटा का अधिग्रहण। 2003-07 के दौरान 2 डी भूकम्पीय डाटा का 30 जीएलकेएम का पीआई • *170* जीएलकेएम के अधिग्राहण और प्रसंस्करण का 2डी भूकम्पीय डाटा। व्याख्या प्रगती पर है।	ड्रिल लोक एनसीके -1 के लिए कार्रवाई प्रारम्भ की गई	24.33

13.	नामसई पीईएल	25.11.1992	494	पहले पुन: अनुदान के दौरान क्षेत्र छोड़ दिया गया	124	17.08.2004	• 2डी भूकम्पीय डाटा का 354 जीएलकेएम का एपीआई। • कुमचाई, खेरेम एवं नामसई क्षेत्र को कवर करने वाला 3 डी भूकम्पीय डाटा का 210 वर्ग मी. का एपीआई • एक (1) अन्वेषणात्मक कुँआ ड्रिल किया गया (एलओसी एनएसए)	अभ्यर्पित	43.82
14.	दयोमाली पीईएल	18.02.1999	365.16	*(i)* जेवीसी ब्लाक (एएपी-ओएन-90/1)	213.83	24.05.2005	• भूवैज्ञानिक मैपिंग • *2*डी भूकम्पीय डाटा का 70 जीएलकेएम का एपीआई। • एक *(1)* अन्वेषणात्मक ड्रिलिंग स्थान छोड़ना • *96* नमूनो को भूरसायन विश्लेषण	5 वें और 6 वें वर्ष के विस्तारण के साथ साथ सांविधिक विलम्ब के अन्तर्गत 211 दिनों का विस्तारण मांगा गया	5.20
				(ii) दिओमाली - पीईएल	151.33				
				151.33 वर्ग कि. मी. का 25% क्षेत्र छोड़ दिया गया	37.83				
15.	सादिया	18.11.1995	1130	पहले चार वर्षो का पुन: अनुदान (18.11.01): 282.5 वर्ग कि.मी. एक वर्ष का विस्तारण (18.11.05) **अन्ततः छोड़ दिया गया**	282.5	17.11.2006 **31.03.09**	(i) 2डी भूकम्पीय एपीआई (ii) ग्राउडं जीएम एवं एमटी सर्वेक्षण	छोड़ दिया गया	शून्य
16.	लखीमपुर	20.12.1995	4200	पहले चार वर्ष पुन: अनुदान (20.12.01): 1050 वर्ग कि.मी. एक वर्ष विस्तारण (19.12.05) **अन्ततः छोड़ दिया गया**	1050	19.12.2006 **31.03.09**	(i) चार कुएं ड्रिल किए गए। कोई वाण्जियिक खोज नही पाई गई। (ii) 2D भूकम्पीय एपीआई	छोड़ दिया गया	शून्य

अनुबंध – VI

(पैरा 6.2.1)

एनईएलपी व्यवस्था के अन्तर्गत ओआईएल का निष्पादन

एनईएलपी राउंड	प्रस्तावित ब्लाक	प्रस्तुत बोली				दिया गया ब्लाकॅ				छोड़ दिया	परिचालन
		गहरा पानी	उथला पानी	भूमि पर	जोड़	गहरा पानी	उथला पानी	भूमि पर	जोड़		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)
I	48	1	1	0	2	1	1	0	2	2	0
II	25	2	0	2	4	2	0	2	4	3	1
III	27	1	0	2	3	1	0	2	3	2	1
IV	24	2	0	4	6	2	0	3	5	3	2
V	20	1	1	5	7	0	0	1	1	1	0
VI	55	2	0	6	8	2	0	6	8	2	6
VII	57	1	0	5	6	1	0	3	4	0	4
VIII	70	5	4	5	14	5	2	2	9	0	9
IX	34	6	5	6	17	0	2	2	4	0	4
कुल	**360**	**21**	**11**	**35**	**67**	**14**	**5**	**21**	**40**	**13**	**27**

अनुबंध – VII

(पैरा 6.2.3)

एनईएलपी ब्लॉक में निर्णित हर्जानों के परिहार्य भुगतान को दर्शाने वाला विवरण

क्रम सं.	ब्लाक का नाम	विस्तारण अवधि	छोड़ने की अवधि	निर्णित हर्जाना (₹ करोड़ में)	लेखापरीक्षा टिप्पणी
1	एमएन-ओएनएन -2000/1	**24.04.2005 से 23.10.2005 (चरण– I) 24.04.07 से 23.10.08 (चरण – II)**	**06.01.2009**	**6.15**	कार्य कार्यक्रम के अनुसार मौजूदा 2 डी डाटा का अनुमोदन, भूकम्पीय डाटा के 500 जीएलके का पुन: प्रसंस्करण और 200 जीएलके का एपीआई तथा पूर्वानुमान सृजन, प्रौद्योगिकी- आर्थिक विश्लेषण और चरण- ।। का निर्णय जुलाई 2004 तक पूरा करना था, तथापि, प्रतिबद्ध एमडब्ल्यूपी की पूर्णता में विलंब के कारण प्रचालक को चरण - ।। प्रारंभ करने के लिए बाध्य होना पड़ा जबकि फगरू राबर्टसन की व्याख्या रिपोर्ट के अनुसार ब्लाक की सभी तीनों संभावनांए आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं थी। तथापि, ओआईएल ने अपनी अन्वेषण अवधि में दो प्रतिबद्ध कुओं को ड्रिल नहीं किया और एलडी का भुगतान कर विस्तारण का लाभ लिया। तत्पश्चात ब्लाक जनवरी 2009 में छोड़ दिया गया था।
2	आरजे-ओएनएन - 2000/1	18.01.2005 से 17.07.2005 (चरण – I) 18.07. 2007 से 21.11. 2007 (चरण – II)	**09.02.2010**	**--**	**विवरण पैरा सं. 6.2.3.1 (ii) में है।**
3	आरजे-ओएनएन-2001/1	23.07.2006 से 22.07.2007 (चरण – I)	**10.10.2009**	**2.32**	एपीआई जनवरी 2005 में पूर्ण हो गई थी और 22/23-12-2005 को आयोजित ओसी बैठक में दो स्थानों अर्थात स्थान

					बी (सेखरा) एवं स्थान सी (लुंखा) को एक वर्ष के विलम्ब के बाद जारी किया गया था। इसके अलावा, रिग दिवस दर के अन्तिम रूप में विलम्ब के कारण स्थान बी (सेखरा) में कुआं 31.5.2006 को पांच महीन से अधिक के विलम्ब के बाद ड्रिल किया गया था। इसी प्रकार, तीसरे स्थान को अन्तिम रूप देने में विलम्ब के कारण स्थान सी (लुंका) में कुँआ 10-01-2007 को ड्रिल किया गया था, जो 2 डी तथा 3 डी एपीआई की पूर्णता से दो वर्ष से अधिक विलम्ब के बाद तथा ओसी द्वारा ड्रिलिंग हेतू स्थान की विमुक्ति से 12 महीने से अधिक विलम्ब से था। अतः, ओसी द्वारा निर्णय लेने में विलम्ब तथा रिग दिन दरों को अन्तिम रूप देने में विलम्ब एवं तीसरे स्थान को अन्तिम रूप देने में विलम्ब के कारण, प्रंचालक को एलडी के परिणामी भुगतान सहित विस्तारण प्राप्त करने के लिए बाध्य होना पड़ा। यद्यपि ओआईएल चरण-।। (एक अन्वेषण कुँए के साथ 100 वर्ग कि. मी. का 3 डी एपीआई) में एमडब्ल्यूपी से अवगत था, फिर भी 3 डी एपीआई के लिए संविदा को निर्धारित समय में अन्तिम रूप नहीं दिया जा सका तथा इसके परिणामस्वरूप चरण-।। अवधि में वचनबद्ध एमडब्ल्यूपी को पूरा करने के लिए 1.69/- करोड़ की राशि के अस्थाई एलडी के परिणामी भुगतान के साथ दो विस्तारण लेने पड़े थे जिनसे बचा जा सकता था यदि 3 डी एपीआई के लिए संविदा को समय पर अन्तिम रूप दिया गया होता। ओआईएल ने अनुचित योजना, समन्वय की कमी, रिग दिवस दर को

					अन्तिम रूप देने में विलम्ब तथा ड्रिलिंग स्थानो को अन्तिम रूप देने में विलम्ब के कारण स्वयं द्वारा निर्धारित समय सीमा का पालन नहीं किया था जिसके परिणामस्वरूप एलडी का भुगतान करना पड़ा।
4	आरजे-ओएनएन - 2002/1	23.06.2009 से 21.12.2009 चरण – II)	**28.12.2009**	**5.12**	चरण-। में, 2डी डाटा के 1200 जीएलकेएम की व्याख्या आन्तरिक रूप से करने का निर्णय किया गया था तथा तदनुसार अक्टूबर 2005 के दौरान डाटा नई दिल्ली में वर्कस्टेशन में लोड किया गया था। यह दर्शाया जाना महत्वपूर्ण है कि यद्यपि भूविज्ञान विभाग ने अप्रैल 2005 में ही सूचित किया था कि कई परियोजनाएं महत्वपूर्ण प्रवृति की थी जो व्याख्या कार्य के अनुसार लम्बित थी तथा ब्लॉक आरजेओएनएन - 2002/1 के डाटा की व्याख्या करना संभव नहीं होगा तथापि डॉटा वर्कस्टेशन में लोड किया गया था। व्याख्या कार्य हेतू संविदा को अन्तिम रूप देने में इस प्रक्रिया में 16 महीने (सितम्बर 2005 से जनवरी 2007) की मूल्यवान अवधि बीत गयी थी। अत: समन्वय की कमी के कारण डाटा की व्याख्या के लिए संघ को 16 महीने का यथेष्ट विलम्ब वहन करना पड़ा था। 2 डी भुकम्पीय डाटा की व्याख्या में विलम्ब के परिणामस्वरूप, चरण - । में वचनबद्ध एमडब्ल्यूपी पूरा नहीं हुआ था तथा चरण-।। अवधि को6 माह कम करने की प्रक्रिया में चरण-। अवधि को 6 माह तक बढाना पड़ा था। चरण-।। में कार्य का कार्यक्षेत्र भी बढ़ गया था चूंकि ओसी ने पीएससी में वचनबद्ध एमडब्ल्यूपी के अतिरिक्त लीड - । के

					पूर्व तथा राजसर लोड-I में 3.0 X 3 .0 कि.मी. ग्रिड में 2 डी भूकम्पीय डाटा के 600 एलकेएम का एपी वचनबद्ध किया था। इसके अतिरिक्त, चरण - II (विस्तारित अवधि सहित) की समस्त अवधि (2 वर्ष) 2 डी ए + पी निविदा अन्तिम रूप देने में बीत गई थी अपर्याप्त योजना को दर्शाता है।
5	एए-ओएनएन-2003/3	30.11.2009 से 29.05.2010 (चरण – I)	**29.05.2010**	**19.79**	ब्यौरे पैरा 4.3. (ii) में
6	आरजे-ओएनएन - 2004/3	**--**	**20.01.2012**	**22.93**	चूँकि पहले अन्वेषण चरण के दौरान आठ कुँओं की ड्रिलिंग की एमडब्ल्यूपी आवश्यकता के प्रति, जेओए के लिए पार्टियों ने केवल दो अन्वेषण कुँओं अर्थात राचन - 1 एवं मदासर - 1 की ड्रिलिंग की थी। यह देखा गया था कि मै. जीजीआर ने अपनी समता में संघ हेतू तकनीकी सहायक एवं भगीदार के रूप में परियोजना की परिचालनात्मक ददाता में सुधार पर बार बार दिया था तथा ब्लॉक में परियोजना कार्य की धीमी प्रगति पर अपनी चिन्ता व्यक्त की थी जिसके परिणामस्वरूप एमडब्ल्यूपी वचनबद्ध पूरी न करने के लिए एलडी का अनावश्यक भुगतान हुआ।
7	एए-ओएनएन - 2004/1	28.06.11 to 27.12.2011 (**चरण** – I)	**27.12.2011**	**12.32**	ब्यौरे पैरा सं. 6.2.3.1 (i) में
	कुल		**68.63**		

अनुबंध – VIII

(पैरा 7.1.1)

2013-14 को समाप्त पिछले पांच वर्षों के लिये वस्तुपरक निष्पादन

वस्तुपरक निष्पादन																
		2009-10			2010-11			2011-12			2012-13			2013-14		
		योजना	वास्तविक	(कमी)/ अधिक	योजना	वास्तविक	(कमी)/ अधिक	योजना	वास्तविक	(कमी)/ अधिक	योजना	वास्तविक	(कमी)/ अधिक	योजना	वास्तविक	(कमी)/ अधिक
सर्वेक्षण	2डी (एलकेएम)	1715	1307.87	(407.13)	1182	1149.45	(32.55)	1316.8	1396.91	80.11	500	223.77	(276.23)	490	499.24	9.24
	3डी (वर्ग कि.मी.)	1002	984.29	(17.71)	661.36	618.62	(42.74)	1767	1837.69	70.69	1925	1795.22	(129.78)	718	928.48	210.48
अन्वेषण कुओं की संख्या		20	16	(4)	20	13	(7)	24	16	(8)	25	19	(6)	17	9	(8)